उत्तर – तालिका

(2018-19)

हिन्दी 'ब'

कक्षा – दसवीं

निर्धारित समय: 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

	खंड - क	
उत्तर – 1)	वे इंसान जी ईश्वर की सत्ता में विश्वास रखते हैं या जड़ता में रहते हैं, वे सुखी रहते हैं, इसका कारण यह है कि वे उन चीजों को जो उनके वश में नहीं है, ईश्वर पर छोड़कर निश्चिंत हो जाते हैं ।	(2)
	संदेह वादी वे होते हैं जो न जड़ता को पूरी तरह स्वीकार करते हैं तथा न ईश्वर के आस्तित्व को पूरी तरह नकारते हैं वे निरतंर वेदना में रहते हैं ।	(2)
	संदेहवादी लोक के सुख से इसलिए वंचित रहते हैं क्योंकि वे जानवर बनकर जीने को तैयार नहीं हैं और परलोक के अनादर से इसलिए वंचित रहते है क्योंकि विज्ञान उनका समर्थन नहीं करता	(2)
	संदेहवाद से पीड़ित व्यक्ति निरंतर व्याकुल रहता है तथा रह-रहकर अपनी समाप्ति की कल्पना करके व्याकुलता का रेचन करता हैं ।	(2)
	शीर्षक – सुख – दुख की परिकल्पना या अन्य कोई उपयुक्त शीर्षक	(1)
उत्तर – 2) (1)	कवि का तात्पर्य है कि यह देश नैतिक मूल्यों की आधारशिला है। समाज में जब तक नैतिक मूल्य रहते हैं, तभी तक वह जीवित रहता है, अतः कवि देश को महाशील की 'अमर कल्पना' कहा है ।	(2)
(2)	भारतीय संस्कृति बहुत पुरानी है परंतु समन्यवादी दृष्टिकोण के कारण यहाँ नए विचारों को अपना लिया जाता है । इस कारण भारत देश सदैव नया रहता है ।	(2)
(3)	प्रकृति में बादल भारत का नमन करते हैं, सागर उसके पैर धोते है यहाँ लाखों खेत लहलहाते हैं । नर्मदा, ताप्ती, सिंधु और गोदावरी नदियाँ सदियों से यहाँ पवित्र जल उपलब्ध करवाती रही है ।	(2)
	अथवा	
(1)	बादलों को पाहुन कहा गया है क्योंकि वह बहुत दिनों में लौटे हैं और ससुराल में पाहुन की भाँति बादलों का स्वागत हो रहा है।	(2)
(2)	मेघ बन-सँवर के गाँव में आए और मेघों के आने पर दरवाजों-खिड़कियाँ	(2)

	खुलने लगी,पेड़ झुकने लगे, आँधी चलीं और धूल भागने लगी।	
(3)	बूढ़ा पीपल (गाँव का सयाना बूढ़ा व्यक्ति) स्वागत कर्ता है जिसनें नवांगतुक (मेघ/पाहुन) का स्वागत किया।	(2)
	खंड - ख	
उत्तर.3	जब तक शब्द कोश में या स्वतंत्र रूप में रहते हैं तब तक वे शब्द कहलाते हैं परंतु जब वे वाक्य में प्रयुक्त होते हैं तब वे पद बन जाते हैं । कमल – स्वतंत्र राज्य (कमल कीचड़ में खिलता हैं यहाँ कमल पद हैं।)	(2)
	अथवा	
	पद कहलाने के लिए शब्द को वाक्य का हिस्सा बनना पड़ता है और लिंग, वचन, काल, विभक्ति, वाक्य आदि उस पर प्रभाव ड़ालते है जैसे 'कीचड' स्वतंत्र शब्द है परंतु वाक्य में प्रयुक्त होने पर उसे अन्य व्यावहारिक इकाईयों का सहारा लेना पड़ता है कमल <u>कीचड</u> में खिलता है।	
उत्तर.4	रचना के आधार पर वाक्य रूपातंरण (कोई तीन)	(3)
(क)	बालक रो – रोकर चुप हो गया	
(ख)	सूर्योदय हुआ और पक्षी चहचहने लगे ।	
(ग)	तुम वहाँ चले जाओ जहाँ गाड़ी रुकती है ।	
(घ)	उसे पत्रिका पढ़नी थी इसलिए वह पुस्तकालय गया।	
उत्तर.5	शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए (कोई दो)	(2)
(क)	- स्नेह में मग्न (तत्पुरुष समास)	
	- अंधा है जो कूप (कर्मधारय समास)	
	- शत अब्दों का समाहार (दिव्गु समास)	
(ख)	समस्त पद बनाकर समास का नाम - (कोई दो)	(2)
	पतझड़ – (बहुव्रीहि समास)	
	भरपेट – (अव्ययी भाव समास)	
	सुख-दुख (द्वंद्व समास)	
उत्तर.6	वाक्यों के शुदध रूप - (कोई चार)	(4)
(क)	प्रधानमंत्री हवाई अड्डे पर पहुँचे	
(ख)	मुंशी प्रेमचंद ने 'गोदान' उपन्यास लिखा ।	
(ग)	उसने चमड़े के तरह – तरह के जूते खरीदे ।	
(घ)	यहाँ केवल दो पुस्तकें हैं ।	
(ङ)	खरगोश को गाजर काटकर खिलाओ।	
उत्तर.7	उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति (कोई दो)	(2)

(क)	(तलवार खींचना) या अन्य कोई उपयुक्त मुहावरा	
(ख)	नजर रखना/रखे) या अन्य कोई उपयुक्त मुहावरा	
(ग)	(बाट जोहना) या अन्य कोई उपयुक्त मुहावरा	
	खंड - ग	
उत्तर.8 (क)	केवल व्यक्तिगत काम के लिए सजग, हानि – लाभ का हिसाब उठाकर कदम उठाते, सबकी बजाय केवल अपने हित की बात समाज के प्रति दायित्वों में भी 'आदर्श' का प्रयोग भी केवल व्यक्तिगत हित के लिए ।	(2)
(ख)	बड़े – बड़े बिल्डरों ने समुद्र के किनारे ऊँची – ऊँची बिल्डिंग बना लीं, समुद्र की जमीन हथिया ली, यही प्रक्रिया बढ़ती गई, समुद्र को गुस्सा आ गया, जो जितना बड़ा उसे उतना कम गुस्सा, परंतु जब आता है तो रोकना असंभव, एक रात गुस्से में तीन जहाजों को फैंक दिया ।	(2)
(ग)	तँतारा की तलवार के बारे में लोग सोचते थे कि तलवार में कोई दैवीय शक्ति लकड़ी की होने के बावजूद अपने भीतर विलक्षण रहस्यों को भीतर समाहित रखती थी ।	(1)
	अथवा	
	कौंसिल की ओर से नोटिस निकला कि ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर मोनुमेंट के नीचे झंड़ा फहराया जाएगा और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी।	
उत्तर.9	(किसी एक प्रश्न का उत्तर) छोटे भाई का व्यकितत्व – पढ़ाई में मन न लगना, प्रतिभावान छात्र, बड़े भाई का आदर, भाई के प्रति सहानुभूति व श्रद्धा, मैदान के खेलों में रुचि व भोलापन । (छात्र उपरोक्त बिंदुओ की पुष्टि उदाहरणों द्वारा दे सकते हैं ।)	(5)
	अथवा	
	वजीर अली का चरित्र (साहसी वीर, निर्भीक व्यक्तित्व अपनी आजादी से प्रेम, देशभक्त सूझबूझ, चालाक व बुद्धिमान) (छात्र उपरोक्त बिन्दुओं की पुष्टि उदाहरणों द्वारा दे सकते हैं ।)	
उत्तर.10 (क)	सच्चे मन में ईश्वर का वास, कच्चे मन वाले व्यर्थ में ही नाचते हैं, भक्ति न होने पर भी तिलक, माला, चादर (राम नाम) आदि पहनकर भक्ति का केवल ढोंग । ईश्वर बाह्य चिह्नों की बजाय सच्चे मन में निवास करते हैं ।	(2)
(ख)	'सर पर कफन बाँधना' सैनिक देशवासियों से अपेक्षा रखते हुए मृत्यु से	(2)

	गले मिलने की बात कर रहे है, जिसके लिए उन्हें हमेशा तैयार रहना चाहिए ।	
(ग)	तालाब की समानता दर्पण के साथ दिखाई गई है ।	(1)
	अथवा	
	मीरा कृष्ण के समीप रहने के लिए उनकी सेविका बनने को तैयार है।	
उत्तर – 11)	किसी एक प्रश्न का उत्तर	(5)
	आत्मत्राण कविता में कवि न तो ईश्वर से कठिनाईयों को कम करने की प्रार्थना करते हैं, न किसी प्रकार की सहायता की माँग करते हैं वह स्वयं प्रत्येक कठिन से कठिन पारिस्थिति का सामना स्वयं करना चाहते हैं । वह स्वयं स्वस्थ रहकर धैर्यवान बनकर केवल भलाई एवं ईश्वर के प्रति धन्यवाद रखने में विश्वास रखते हैं ।	
	अथवा	
	कबीर के दोहों की प्रासंगकिता – कबीर के दोहों की शिक्षा प्रत्येक काल में सार्थक मीठी वाणी का प्रयोग, आपसी विश्वास, ईश्वर का प्रत्येक मन में विश्वास, अंहकार को समाप्त करने का संदेश, झूठे पाखंडो का विरोध, ईश्वर एक व सभी मनुष्य समान निदंकों को समीप रखने का परामर्श ... आदि ऐसे मूल्यों से स्वस्थ समाज व विकास संभव ।	
उत्तर – 12)	किसी एक प्रश्न का उत्तर	
	‘हरिहर काका’ पाठ में धर्म के नाम पर सीधे – सादे गाँव के लोगों को ठाकुरवारी के नाम पर बेवकूफ बनाना, धर्म के ठेकेदारों द्वारा जैसे महंत इत्यादि के द्वारा केवल आराम से ठाठ – बाठ का जीवन व्यतीत करना, लोगों से पैसा, जमीन हड़पना, समय आने पर गुंडागर्दी मारपीट या हिंसा पर उतर आना जैसे काका से जमीन हथियाने के लिए पहले बहलाना – फुसलाना फिर न मानने उन्हें बंधक बनाकर जबरदस्ती अँगूठा लगवाना इत्यादि ।	5
	अथवा	
	पाठ ‘सपनों के से दिन’ में विद्यार्थियो की अनुशासन में रखने के लिए उन्हें कई प्रकार के शारीरिक दंड दिए जाते थे । पिटाई भी इतनी अधिक कि चमड़ी उधेड़ने वाली कहावत चरितार्थ, दंड ऐसा कि बच्चे चक्कर खा जाए, बच्चों का कोमल मन ऐसे बर्बरता पूर्ण व्यवहार से अधिक उद्दंड या फिर दब्बू बना देता है, पढ़ाई – लिखाई में अरुचि आ सकती है इन्हीं कारणों को समझकर मनोचिकित्सकों के अनुसार शारीरिक दंड उचित नहीं	

	आज की शिक्षा प्रणाली में प्यार, समझ, सूझ – बुझ व समस्या की जड़ पर पहुँच कर उसका निदान करने में विश्वास । शारिरिक दंड का आज की शिक्षा नीति में कोई स्थान नहीं ।	
	खंड – ‘घ’	
उत्तर – 13)	अनुच्छेद लेखन प्रारूप - 2 अंक विषय वस्तु – 2 अंक भाषा – 1 अंक	(5)
उत्तर – 14)	औपचारिक पत्र पत्र प्रारूप – 2 अंक विषय वस्तु – 2 अंक भाषा - 1 अंक	(5)
उत्तर – 15)	सूचना लेखन सूचना पारुप – 2 अंक विषय वस्तु – 3 अंक	(5)
उत्तर – 16)	संवाद लेखन भाषा शैली – 2 अंक विषय वस्तु – 3 अंक	(5)
उत्तर – 17)	विज्ञापन लेखन प्रारूप – 2 अंक विषय वस्तु – 2 अंक भाषा – 1 अंक	(5)